उत्तरपत्रिका

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[8]**

(1) संजाल में लिखिए। **(2)**

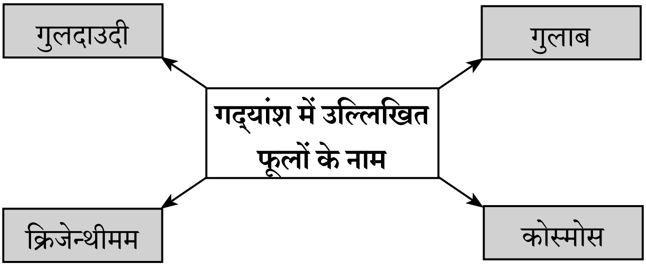

(2) (i) आश्रम में बहनों को यह खुराक मिलें **(1)**

(1) संगीत की   **भक्ति की**   (2) प्रेमयुक्त सलाह की

(ii) काकासाहब को बहन की इन बातों का ख्याल है **(1)**

(1) शक्ति **मर्यादा** (2) कुशलता

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के कृदंत रूप बनाइए। **(1)**

(1) **चलना** - चलकर (2) **रहना** - रहकर

(ii) निम्नलिखित शब्दों के तद्धित रूप बनाइए। **(1)**

(1) **गुलाब** - गुलाबी (2) **रहस्य** - रहस्यमयी

(4) 'अनुशासन का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

उत्तर: 'अनुशासन' का अर्थ होता है हमें दी गईं सभी आज्ञाओं का सही से और नियमों से पालन करना और उसके उल्लंघन करने पर उसके लिए दिए गए दंड को आज्ञापूर्वक स्वीकारना ।

हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है । अनुशासन हमारे जीवन में सभी कार्यों को क्रमबद्ध और संयमित तरीके से करने की एक महत्त्वपूर्ण विधि है । यदि हम जीवन में नियमित दिनचर्या का पालन करते हैं तो हमारे जीवन में काफ़ी सुधार आ सकता है । अनुशासन से हम जीवन को सार्थक बना सकते हैं । अनुशासन विद्यार्थी जीवन में बहुत ज़रूरी है क्योंकि विद्यार्थी जीवन में सीखी बातें जीवन भर साथ रहती है । अनुशासनहीन व्यक्ति का जीवन असफल, आलस्य से भरा रहता है ।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[8]**

(1) कृति पूर्ण कीजिए। **(2)**

रिश्ते लिखिए।

(i) रामस्वरूप–रतन – मालिक–नौकर

(ii) रामस्वरूप–प्रेमा – पति–पत्नी

(iii) प्रेमा–उमा – माँ–बेटी

(iv) गोपाल प्रसाद–शंकर – पिता–पुत्र

(2) (i) लिखिए। **(1)**

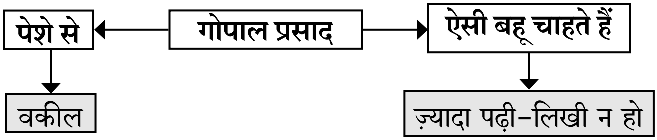

(ii) गद्यांश में उल्लिखित दो वाद्य– **(1)**

(1) हारमोनियम (2) सितार

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर फिर से लिखिए। **(1)**

(1) **बेटी** – बेटियाँ (2) **शादियाँ** – शादी

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर फिर से लिखिए। **(1)**

(1) **पसीना** – पुल्लिंग (2) **अक्ल** – स्त्रीलिंग

(4) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

उत्तर: 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' व्रत विधान से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने एक सरकारी सामाजिक योजना की शुरूआत की। यह योजना समाज में लड़कियों के महत्त्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हैं। कन्या–भ्रूण हत्या को पूरी तरह समाप्त कर लड़कियों को बचाकर उनके जन्म पर खुशी मनाकर उसे पूरे ज़िम्मेदारी से शिक्षित करना ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का मूल उद्देश है।

भारतीय समाज में लड़कियों के लिए कल्याणकारी कार्यों की कुशलता को बढ़ाने के साथ लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना है। लड़कियों की गिरती संख्या को बचाना भी हैं। लड़कियों के प्रति लोगों की विचारधारा में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ यह योजना भारतीय समाज में लड़कियों की महत्ता की ओर भी इंगित करती है। लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के साथ, सुरक्षा प्रदान करना हैं।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

(1) एक–दो शब्दों में उत्तर लिखिए।

(i) वादियों में इनके घने जंगल – (1) देवदार (2) चीड़ **(1)**

(ii) गद्यांश में आए मौसम – (1) सरदी (2) गरमी **(1)**

(2) **'भारत भूमि विविधता से संपन्न है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** **(2)**

उत्तर: भारत अपने सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है जो कि विभिन्न धर्मों के लोगों के कारण है। भारत एक विविधतापूर्ण देश है। इसके विभिन्न भागों में भौगोलिक अवस्थाओं,

निवासियों और उनकी संस्कृतियों में भी काफ़ी अंतर हैं । कुछ प्रदेश रेगिस्तानों जैसे तप्त और शुष्क तो कुछ ठंडे हैं । देश के निवासियों के अलग धर्म, विविधतापूर्ण भोजन और वस्त्र भी उतने ही भिन्न है, जितनी उनकी भाषाएँ और बोलियाँ हैं । भारतीय धर्मों में कर्मकांड़ों की विविधता है । भारत में इतनी विविधता के बावजूद एक सुदृढ़ एकता की धारा प्रवाहित है ।

विभाग 2 – पद्‌य : 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **[6]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए । **(2)**

पखावज		केसर, गुलाल
	होली के समय आनंद निर्मित करने वाले घंटक	
करताल		प्रेम पिचकारी

(2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों । **(2)**

(1) **अंबर** – गुलाबी रंग किसका हो गया है?

(2) **फागुन** – होली का त्योहार कब मनाया जाता है? / होली का त्योहार किस माह मनाया जाता है?

(3) उपर्युक्त पद्‌यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए । **(2)**

उत्तर: फागुन के चार दिन होली खेलकर मनाओ । करताल और पखावज जैसे वाद्‌यों के बिना केवल अनहद नाद की झनकार के साथ बिना किसी राग–रागिनी के अपने रोम–रोम से श्रेष्ठ गीत गाओ । शील और संतोष की सीमाओं में पिचकारियों से स्नेह का रंग उड़ाओ, ऐसे कवयित्री संत मीराबाई कहती है ।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **[6]**

(1) उत्तर लिखिए । **(2)**

(i) पद्‌यांश में आए ऋतुओं के नाम

(1) हेमंत (2) शिशिर

(ii) पद्‌यांश में आए पशुओं के नाम

(1) श्वान (2) स्यार

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त विलोमार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (1)

(1) **न्यायी** × अन्यायी (2) **सुख** × दुख

(ii) पद्यांश में आए 'अवनि' शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(1) धरती (2) धरा

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2)

उत्तर: निशा समय लोग अपने घरों में सो रहे हैं । बाहर श्वान और सियार चिल्ला चिल्लाकर बार-बार रो रहे हैं । अर्ध रात्रि को अगर घर से कोई बाहर निकलकर आँगन में आता है और शून्य गगन मंडल को ताकता है तो उसके मन में भय निर्माण होता है क्योंकि तारे भी छिप जाते हैं ।

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

(1) उत्तर लिखिए। (2)

रिश्वत देने से होनेवाले काम

(i) रुके हुए कार्य (ii) दबी हुई फ़ाइलें

(iii) टलती हुई पदोन्नति (iv) रोकी गई नौकरी

(2) 'भ्रष्टाचार एक अभिशाप' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट + आचार । भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है वह आचरण जो किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो । आज भारत जैसे सोने की चिड़िया कहलानेवाले देश में भ्रष्टाचार अपनी जड़े फैला रहा है । जब किसी को अभाव के कारण कष्ट होता है तो वह भ्रष्ट आचरण करने के लिए विवश हो जाता है। यह भ्रष्टाचार रूपी बीमारी दीमक की तरह पूरे देश को खा जाएगी । लोगों को स्वयं ईमानदारी विकसित कर आनेवाली पीढ़ी तक सुआचरण के फायदे पहुँचाने होंगे ।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए। **(2)**

'अ'		'आ'
(i) **मछली**	–	प्यासी
(ii) **गीतों के स्वर**	–	अमर
(iii) **रेल की पटरियाँ**	–	मौन
(iv) **आकाश**	–	सूना

(2) 'जल ही जीवन है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

उत्तर: जल हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व है, जिसके बिना हम इस धरती पर रहने की कल्पना तक नहीं कर सकते। पृथ्वी पर रहनेवाले सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे और प्रकृति से जड़ी विभिन्न तत्त्वों का जल एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। जल के बिना इस धरती पर जीवन काट पाना न के समान है। जल भगवान के द्वारा दिये गए इस जीवन का आधार है।

भारत एक कृषिप्रधान देश है और इसकी जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई भाग कृषि पर निर्भर है। हमें अपनी तरफ़ से जल बचाना चाहिए, उसकी बर्बादी नहीं करनी चाहिए।

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[14]**

(1) निम्नलिखित वाक्य के अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए। **(1)**

यहाँ सरदी <u>अच्छी</u> है।

उत्तर: अच्छी – विशेषण

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से <u>किसी एक</u> अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। **(1)**

(i) और – राम और शाम अच्छे मित्र है।

(ii) आह! – आह! कब इस दर्द से छुटकारा मिलेगा।

(3) कृति पूर्ण कीजिए। **(1)**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निराशा	**निः + आशा**	विसर्ग संधि
अथवा		
संतोष	सम्+तोष	व्यंजन संधि

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)

(i) सिरचन का मुँह लाल हो गया।

(ii) वे पुस्तक पकड़े न रख सके।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
गया	जाना
सके	सकना

(5) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i)	घूमना	घुमाना	घुमवाना
(ii)	बनना	बनाना	बनवाना

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

	मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i)	डींग मारना	बड़ी-बड़ी बातें करना	राम को अपने दोस्तों के सामने डींग मारने की आदत थी।
(ii)	मुँह लटकाना	निराश होना	प्रतियोगिता में हार जाने पर सीता का मुँह लटक गया।

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।

(बोलबाला होना, तिलमिला जाना)

पंडित बुद्‌धिराम काकी को देखते ही क्रोध में आ गए।

उत्तर: पंडित बुद्‌धिराम काकी को देखते ही तिलमिला उठे।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)

(i) मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ।

(ii) रूपा स्वभाव से तीव्र थी।

कारक चिह्न	**कारक भेद**
की ओर	संबंध कारक
से	करण कारक

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

केवल टीका, नथुनी बिछिया रख लिए थे

उत्तर: केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे।

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (2)

(i) सोनाबाई अपने बच्चों के साथ आती है। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर: सोनाबाई अपने बच्चों के साथ आएगी।

(ii) चढ़ावे के नाम पर सिर्फ़ पाँच ग्राम सोने के गहने आएँगे। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर: चढ़ावे के नाम पर सिर्फ़ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे।

(iii) आप इतनी देर से नाप–तौल करते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: आप इतनी देर से नाप–तौल कर रहे हैं।

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। (1)

संतरी को जैसा कहा गया था, उसने वैसा ही किया।

उत्तर: मिश्र वाक्य

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)

(1) मैं आज रात का खाना नहीं खाऊँगा। (विधानार्थक वाक्य)

उत्तर: मैं आज रात भूखा रहूँगा।

(2) थोड़ी बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

उत्तर: अधिक बातें नहीं हुईं। **अथवा** बहुत बातें नहीं हुईं।

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (2)

(i) अब मैं अपनी टाँगों का ओर देखता है।

उत्तर: अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ।

(ii) मानू इतने ही बोल सका।

उत्तर: मानू इतना ही बोल सकी।

(iii) मँझली भाभी माँ का दुलारा बहू है।

उत्तर: मँझली भाभी माँ की दुलारी बहू है।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए। [26]

(अ) (1) पत्रलेखन। (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए।

उत्तर:

दिनांक: 25 जून, 2022

प्रिय मित्र विठ्ठल,

सप्रेम नमस्ते।

कल ही पिताजी से आप के दसवीं कक्षा के परिणाम/नतीजे के बारे पता चला। सुनकर बहुत खुशी हुई कि इस वर्ष ऑनलाइन आधी और ऑफ़लाइन आधी पढ़ाई विद्यालयों में हुईं। कोरोना महामारी का अध्यापन अध्ययन पर असर हुआ फिर भी तुमने अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया इसलिए तुमको हार्दिक बधाई।

शुरू से ही तुमने अपनी पढ़ाई सही तरीके से ईमानदारी से की। शिक्षक, रिश्तेदार, माता-पिता द्वारा दी गई हिदायतों का पालन कर, लॅपटॉप का गलत इस्तेमाल नहीं किया। यह सब इसी का फल है। तुम्हें आनेवाले महाविद्यालयीन पढ़ाई के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ।

घर में सभी बड़ों को मेरा प्रणाम देना और छोटों को स्नेह।

तुम्हारा मित्र,

भार्गव बारगजे,

विजयनगर,

सोलापुर – 413 001
bhargavb@gmail.com

अथवा

दिनांक: 20 जुलाई, 2022
प्रति,
मा. व्यवस्थापक,
अजय वस्तु भंडार,
सदाशिव पेठ,
पुणे – 4

विषय: खेल की सामग्री मँगवाने के लिए ।

मा. महोदय,

मैं विवेकानंद अपने विद्‌यालय के लिए कुछ खेल की सामग्री आपके दुकान से मँगवाना चाहता हूँ । उस सामग्री की सूची इस पत्र के साथ भेज रहा हूँ । कृपया आप हमें निम्नलिखित पते पर वी.पी.पी. द्‌वारा भेजने की कृपा करें । इस सामग्री से संबंधित बिल की धनराशि में से 10 प्रतिशत रिवायत काटकर शेष रकम का बिल भेज दें ।

अ.क्र.	खेल सामग्री का नाम	संख्या
1	हॉकी बॅट	24 (दो दर्जन)
2	टेबल टेनिस बॅट	12 (एक दर्जन)
3	क्रिकेट बॅट	6 (आधा दर्जन)
4	गेंद (क्रिकेट)	6 (आधा दर्जन)
5	टेबल टेनिस गेंद	12 (एक दर्जन)

धन्यवाद ।

भवदीय,
विवेकानंद,
कृष्णकुंज,
सातारा – 415 001
vivekanand@gmail.com

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक–एक वाक्य में हों। (4)

प्रश्न:

(1) मज़दूरों को किस हिसाब से पैसे मिलते थे?

(2) पजावे के पास बैठा आदमी क्या लेकर बैठा था?

(3) ईंटों के पजावे पर लोग कहाँ से आते थे?

(4) बनिए की दुकान से कौनसा पदार्थ लेकर लड़के खाते थे?

(आ) (1) वृत्तांत–लेखन। (5)

आदर्श विद्यालय, अमरावती में मनाए गए 'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ अभियान' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत–लेखन कीजिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

उत्तर: **वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ अभियान**

(विद्यालय प्रतिनिधि द्वारा)

अमरावती, दिनांक 10 जुलाई 2022, आदर्श विद्यालय में आज सुबह ठीक 10 बजे (पेड़ लगाओ – पेड़ बचाओ) 'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ' अभियान शुरू हुआ। इस अभियान के प्रमुख अतिथि विनोद श्रीवास्तव जी को बुलाया गया था।

'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ' अभियान के तौर पर स्कूल के सामने के रास्ते के दोनों तरफ़ तथा उसी इलाके में दो सौ गड्ढे खोदे गए थे। नर्सरी से कुछ पौधे मँगवाए थे। इस अभियान में कक्षा नौवीं के छात्र सम्मिलित थे। सभी छात्र, अध्यापक तथा प्रधान अतिथि सुबह ठीक 10 बजे प्रांगण में इकट्ठे हुए। प्रधानाचार्य ने अतिथी का स्वागत किया। इस अवसर पर अतिथी विनोद श्रीवास्तव जी ने वृक्षों का महत्त्व, लाभ तथा हानि पर भाषण दिया। उसके बाद कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उन्होंने नीम के एक पौधे को एक गड्ढे में रोपा। उसके बाद सभी अध्यापकों और छात्रों ने भी गड्ढे में एक–एक पौधा रोपा तथा पानी भी डाला गया। जगह–जगह पर 'वृक्ष हमारे मित्र हैं', 'जल ही जीवन है', 'वृक्ष बचाओ – जीवन बचाओ' आदि पोस्टर लगाकर इस अभियान का प्रचार किया गया था।

इस अवसर पर छात्रों ने पौधों और पेड़ से संबंधित एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। सभी ने उसकी सराहना की। राष्ट्रगीत के साथ 'वृक्ष लगाओ – वृक्ष बचाओ अभियान' की समाप्ति की गई।

अथवा

कहानी–लेखन।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

उत्तर: **भूखा कुत्ता**

एक बार एक भूखा कुत्ता रोटी के लिए दर–दर भटक रहा था । उसे कहीं भी रोटी न मिली । भूख से परेशान होकर एक गाँव के कूड़े के पास पहुँचा । वहाँ उसे एक रोटी मिली । रोटी देखकर वह खुश हो गया । रोटी मुँह में दबोचकर वह सोचने लगा इस रोटी को मैं आनंद और शांति से खाऊँगा । इसके लिए तालाब के पास बैठकर रोटी खाने का उसने इरादा किया ।

रोटी लेकर एक तालाब के पास पहुँचा । तालाब के पानी में कुत्ते को अपनी परछाई दिखाई दी । उसे लगा पानी में दुसरा कुत्ता है और उसके पास भी एक रोटी है । अगर वह रोटी भी मुझे मिल जाएगी तो बड़ा मज़ा आएगा । ऐसा सोचकर वह भौंकने लगा । जैसे ही उसने भौंकने के लिए अपना मुँह खोला तो उसके मुँह की रोटी पानी में गिर गई । तब उसे बड़ा पछतावा हुआ । उसने दुसरे रोटी के लालच में अपनी रोटी भी खो दी । अगर वह लालच नहीं करता तो उस रोटी को खाकर अपना पेट भरता साथ ही उसने बिना सोचे–समझे अपनी परछाई पर भौंकना शुरू किया ।

सीख: हर काम सोच–समझकर करना चाहिए ।

(2) विज्ञापन–लेखन। **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर:

✻माली चाहिए✻

आर. आय. सी. ग्रुप

अनुभव – 10 वर्ष

आयु–सीमा – 35 से 40 वर्ष

वेतन – 25000/– प्रति माह

* **संपर्क –** 9888444455

पता – आर. आय. सी. ग्रुप, अंधेरी (प.), मुंबई –400058

(इ) निबंध-लेखन। **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए।

(1) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता....

(2) पुस्तक की आत्मकथा

(3) विविधता में एकता

(1) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता....

उत्तर:

विद्यालयों में विद्यार्थियों को यदि उचित शिक्षा मिले तो वे अच्छे नागरिक, सच्चे समाजसेवक और आदर्श देशभक्त बन सकते हैं। किसी भी विद्यालय की सारी व्यवस्था प्रधानाध्यापक पर होती है। अगर मैं प्रधानाध्यापक होता, तो अपने-आपको भाग्यशाली समझता।

विद्यालय का प्रधानाध्यापक बनकर मैं विद्यार्थियों के जीवन का सर्वांगीण विकास करने के लिए भरसक प्रयत्न करता। अपने विद्यालय में आदर्श अध्यापक नियुक्त करता, जो बच्चों को पढ़ाने में कुशल हो। कंप्यूटर शिक्षण के लिए मैं समुचित प्रबंध करता। शैक्षणिक पर्यटनों की व्यवस्था करता। अच्छे क्रिडांगण का भी प्रबंध करता।

मैं विद्यार्थियों के चरित्रनिर्माण और अनुशासन पर विशेष ध्यान देता। नियम-पालन, संयम, कर्तव्यनिष्ठा आदि गुणों के विकास के लिए मैं जी-जान से प्रयत्न करता। गरीब विद्यार्थियों की आर्थिक मदद करता। विद्यालय के कार्यालय सुव्यवस्थित और बढ़िया उपहारगृह की भी व्यवस्था करता।

मैं अपने सादगी, नियमितता, कर्तव्यनिष्ठा से शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामने आदर्श प्रस्तुत करने का प्रयत्न करता। सभी अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों के प्रति मेरा व्यवहार स्नेहमय और सहानुभूतिपूर्ण होता। किसी भी कर्मचारियों में किसी तरह की लापरवाही को मैं बर्दाश्त न करता। मैं सभी के प्रति आदरपूर्ण व्यवहार करता, उनके सुझावों, शिकायतों की ओर उचित ध्यान देता।

इस प्रकार मुख्याध्यापक बनकर मैं अपने विद्यालय को हर तरह से एक आदर्श विद्यालय बनाने की कोशिश करता।

(2) पुस्तक की आत्मकथा

उत्तर:

बहुत दिनों से मेरी इच्छा थी कि मैं किसी के आगे अपना दिल खोलूँ । अच्छा हुआ, मैं आपके हाथ में आई और मुझे अपने मन की बातें कहने का मौका मिला । मैं एक पुस्तक हूँ....

एक विद्‌वान लेखक ने बहुत परिश्रम से मुझे लिखा था । इसके बाद लेखक महोदय मुझे एक प्रकाशक के पास ले गए । प्रकाशक ने मुझे अपने प्रेस में भेजा । न जाने कितने अक्षरों को जोड़कर मुझे नया रूप दिया गया । इसके बाद मशीनों में डालकर कागज़ पर छापा गया । फिर मेरी देह में सुईयाँ लगाई गई और मरहम-सी चीज़ से मुझ पर मालिश की गई । अंत में मुझपर सुंदर मुखपृष्ठ लगाया गया । इसके बाद मेरे रूप का कहना ही क्या! फिर मुझे एक दुकान की अलमारी में रखा गया ।

एक दिन एक मालिक ने मुझे उस दुकान से खरीद लिया । वह मुझे बड़े ध्यान से पढ़ता और मुझे बड़े यत्न से रखता । कुछ दिन उसके पास रहने के बाद मैं उसके एक मित्र के पास पहुँची । वह भी बड़ा कदरदान था । पर दुर्भाग्य से एक दिन वह मुझे बस में भूल गया । वहाँ से रद्‌दीवाले के पास पहुँच गई । उसने मुझे बिकने के लिए रख दिया । पर मेरी किस्मत अच्छी थी इसलिए मैं आपके पास पहुँच गई ।

आज मैं बहुत खुशनसीब हूँ । आपके पास आकर मैंने अपनी शक्ति के अनुसार पाठकों की सेवा की, उन्हें आनंद और ज्ञान दिया । आगे भी इसी तरह सेवा करती रहूँगी । मेरे इस जीवन से लोगों का कुछ कल्याण हो सका तो मैं अपने-आपको धन्य समझूँगी ।

(3) विविधता में एकता

उत्तर:

तरह-तरह के फूलों को एक धागे में गूँथकर एक माला बनाई जाती हैं । एक धागा फूलों की अनेकता को एकता में बदल देता है । इसी को 'विविधता में एकता' कहते है ।

हमारे देश में विविधता अनेक रूपों में दिखाई देती है । यहाँ पर अनेक प्रांतों की अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा, अपने रीति-रिवाज़ और खान-पान है । विविध प्रांतों की सामाजिक प्रथाओं में बहुत अंतर है । फिर भी यह सारे प्रांत भारतीय संस्कृति के धागे में गुँथे हुए हैं । देश के सभी तीर्थों की एक जैसी महिमा है । मेलों में देश के सभी प्रांतों के लोग शामिल होते हैं । होली, दिवाली, गणेशोत्सव संपूर्ण भारत में मनाए जाते हैं ।

भारतीय संगीत में देश के सभी भागों के संगीत का समावेश होता है । विविध राज्यों के नृत्य लोकप्रिय हैं । भारत के सभी प्रांत एक ही केंद्रीय सत्ता के अधीन है । सारे देश का एक संविधान, एक कानून, एक राष्ट्रध्वज तथा एक राष्ट्रगीत है । भारतीय सेना में सभी प्रांतों के सैनिक हैं । क्रिकेट, फूटबॉल जैसे खेलों की राष्ट्रीय टीम में अलग-अलग प्रांतों के खिलाड़ी चुने जाते हैं ।

कभी-कभी, अलग-अलग प्रांतों के बीच छोटे-मोठे मतभेद दिखाई पड़ते हैं । इसके बावजूद राष्ट्रीय आपदाओं के समय सारा देश मिलकर उनका सामना करता है । अलग-अलग अखबार, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के अलग-अलग केंद्र आदि भी मूलरूप से राष्ट्रीय एकता को ही प्रकट करते हैं ।

इस प्रकार भारत में सर्वत्र विविधता में एकता का दर्शन होता है ।

★★★